

क्रेडिट कार्ड के फायदे और नुकसान क्या है? Credit Card Advantages and Disadvantages in Hindi

 continuegyan.com/credit-card-advantages-and-disadvantages

आज के इस ब्लॉग पोस्ट *Credit Card Advantages and Disadvantages in Hindi* में आपको क्रेडिट कार्ड से जुड़े हुए बहुत सारे चीजों के बारे में बताने वाला हूँ, जैसे कि क्रेडिट कार्ड क्या होता है? क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई कैसे करते हैं? किन लोगों को क्रेडिट कार्ड दिया जाता है? क्रेडिट कार्ड का यूज़ कैसे होता है और क्रेडिट कार्ड के क्या फायदे और क्या नुकसान होते हैं।



क्रेडिट कार्ड होता क्या है? (What is Credit Card)

जैसे कि ATM कार्ड या Debit कार्ड होता है, इसी तरह से क्रेडिट कार्ड भी एक कार्ड होता है। लेकिन इन दोनों में अंतर ये होता है कि जो हमारा डेबिट कार्ड होता है ये बैंक अकाउंट से लिंक होता है, जबकि क्रेडिट कार्ड किसी बैंक अकाउंट से लिंक नहीं होता है।

इसीलिए हम डेबिट कार्ड से सिर्फ उतने ही पैसे खर्च कर सकते हैं जितने हमारे अकाउंट में होते हैं, क्योंकि ये अकाउंट से लिंक होता है। जबकि क्रेडिट कार्ड जब हमें बैंक जारी करता है तो इसमें एक लिमिट देता है जो कि 25,000 रुपये से लेकर 3,00,000 रुपये तक हो सकती है और वो Limit हम एक महीने में खर्च कर सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड किन लोगों को दिया जाता है?

अगर आपके पास एक अच्छा इनकम सोर्स है, यानी अच्छी सैलरी वाली आपकी एक जॉब है या फिर आपका अच्छा बिज़नेस चल रहा है और साथ ही आपका Cibil Score भी अच्छा है तो आपको आसानी से क्रेडिट कार्ड मिल जाता है।

क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई कैसे करें? (How to Get A Credit Card)

इसमें दो तरीके होते हैं आप चाहे तो ऑनलाइन भी अप्लाई कर सकते हैं और ऑफलाइन भी अप्लाई कर सकते हैं। जिस बैंक का आप क्रेडिट कार्ड लेना चाहते हैं उसकी वेबसाइट पर जाकर आप वहां से ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं।

जैसे कि अगर आप State Bank of India का क्रेडिट कार्ड लेना चाहते हैं तो आप [Sbicard](#) की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं और अगर आप Axis Bank का क्रेडिट कार्ड लेना चाहते हैं तो [Axis Bank](#) की ऑफिसियल वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई करें।

आप चाहे तो सीधे बैंक में जाकर भी ऑफलाइन फॉर्म को भरकर जमा कर सकते हैं, इस तरीके से भी आप क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई कर सकते हैं। जैसे ही आप क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई करते हैं तो एक महीने के अंदर ही आपके दिए गए पते पर क्रेडिट कार्ड को भेज दिया जाता है और इसके बाद आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कैसे होता है?

जब बैंक आपको क्रेडिट कार्ड जारी करता है, तो इसकी एक लिमिट पहले से ही फिक्स करके देता है जो कम से कम 25,000 और ज्यादा से ज्यादा 3,00,000 रुपये के बीच में कुछ भी हो सकती है जो कि समय के साथ-साथ बढ़ते रहती है। मैंने जब क्रेडिट कार्ड लिया था तब उसकी लिमिट 55,000 रुपये थी जो कि बाद में बैंक ने बढ़ाकर 65,000 रुपये कर दिया।

इसमें होता ये है कि जितनी लिमिट बैंक फिक्स कर देता है उतना ही आप इसको ऑनलाइन शॉपिंग में या किसी को पेमेंट करने में या ATM मशीन से कैश निकालने में आप यूज़ कर सकते हैं। आप अगर चाहे तो इस कार्ड से ATM से कैश भी निकाल सकते हैं, लेकिन उसमें जो पेनल्टी है वो आपके कैश निकालने के साथ ही शुरू हो जाती है।

इसीलिए क्रेडिट कार्ड से कभी भी कैश नहीं निकालना चाहिए, आपको इससे हमेशा ऑनलाइन पेमेंट ही करना चाहिए या शॉपिंग वगैरह करनी चाहिए। जैसे आप अपने डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो हर उस जगह पर आप क्रेडिट कार्ड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड लेने के क्या फायदे होते हैं?

क्रेडिट कार्ड के बहुत सारे फायदे होते हैं, सबसे बड़ा फायदा तो इसका ये होता है कि अगर हमें इमरजेंसी में पैसे की जरूरत पड़ जाये और हम अपने दोस्तों से ना मांग सके या वो ना दे पाए तो ऐसी स्थिति में आप अपने क्रेडिट कार्ड से पैसे निकालकर अपनी जरूरत को पूरा कर सकते हैं। बाद में एक महीने के बाद आप उसका बिल का पेमेंट सकते हैं।

दूसरा फायदा ये होता है कि जब आप इससे ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं या पेमेंट वगैरह करते हैं तो उसमें आपको कुछ Reward Points मिलते हैं, जिन्हें आप Redeem कर सकते हैं।

तीसरा फायदा ये होता है कि इससे जब आप पेमेंट करते हैं तो उसमें आपको काफी छूट भी मिलती है जैसे कि अगर आप Make my Trip की वेबसाइट से कोई टिकट खरीदते हैं और क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करते हैं तो उसमें आपको काफी छूट मिल जाती है।

क्रेडिट कार्ड लेने के नुकसान क्या होते हैं?

जिस तरह से क्रेडिट कार्ड के काफी सारे फायदे हैं, ठीक उसी तरह क्रेडिट कार्ड लेने के काफी सारे नुकसान भी हैं। सबसे बड़ा नुकसान तो इसका ये है कि आप अगर इसका बिल देने में चूक जाते हैं यानी अगर आपके क्रेडिट कार्ड का Due Date है 2 तारीख का और आप महीने के 2 तारीख को बिल जमा नहीं करते हैं तो आपके ऊपर अच्छी-खासी पेनल्टी लग जाती है।

दूसरा बड़ा नुकसान ये है कि अगर आप क्रेडिट कार्ड से ATM मशीन से कैश निकालते हैं, तो कैश निकालने के दिन से ही आपके ऊपर पेनल्टी लगना शुरू हो जाती है जब तक आप उस महीने का बिल नहीं भरते हैं।

तीसरा बड़ा नुकसान ये है कि अगर आपका क्रेडिट कार्ड गुम हो जाता है या खो जाता है और कोई व्यक्ति इससे इंटरनेशनल ट्रांसक्शन कर लेता है तो उसमें आपको OTP भी नहीं मिलता है। क्योंकि ऐसे पेमेंट में बस क्रेडिट कार्ड के ऊपर जो नंबर लिखे होते हैं ये नंबर डाल कर और इसके पीछे एक नंबर होता है CVV नंबर इन दोनों नंबर को डालकर कोई भी व्यक्ति बड़े आराम से पेमेंट कर सकता है और इसमें आपके पास कोई OTP भी नहीं आता है।

OTP सिर्फ नेशनल ट्रांसक्शन में आता है और जो इंटरनेशनल ट्रांसक्शन होते हैं उनमें OTP नहीं आता है, इसलिए अगर ये कार्ड खो जाता है तो कोई भी आपके कार्ड का Misuse कर सकता है इसीलिए आपको खोने के फौरन बाद ही कार्ड को बंद करा देना चाहिए।

एक और बड़ा नुकसान क्रेडिट कार्ड का ये है कि इससे फिजूल खर्च काफी होती है यानी कि अगर आप किसी चीज़ को नहीं भी खरीदना चाहते हैं और आपके पास क्रेडिट कार्ड है तो आपके मन में आएगा कि इस चीज़ को खरीद लेते हैं क्योंकि बिल की तो कोई टेंशन लेता नहीं है।

सोच लेते हैं कि बिल तो एक महीने के बाद देना है इस तरह से काफी फिजूल खर्ची भी होती है। जो चीज़ें हमें नहीं भी खरीदनी होती वो भी हम क्रेडिट कार्ड होने की वजह से खरीद लेते हैं।

क्रेडिट कार्ड का पेमेंट कैसे होता है?

जब हम क्रेडिट कार्ड से कहीं पर कोई शॉपिंग करते हैं या पेमेंट करते हैं, तो उसके कुछ दिन के बाद बिल जेनरेट होता है और बिल जेनरेट होने के बाद भी हमें लगभग 15 से 20 दिन का समय मिलता है उस बिल को जमा करने के लिए जो कि कभी-कभी एक महीने का भी होता है।

यानी जब हम अपने क्रेडिट कार्ड से पैसा खर्च करते हैं तो उसके लगभग 50 दिन के बाद हमें उसका पेमेंट करना होता है। क्रेडिट कार्ड का बिल नेट बैंकिंग के द्वारा ऑनलाइन ही आपको पता चल जायेगा या फिर आपके द्वारा दिए गए पते पर बैंक से बिल भेजा जाता है।

उसमें सारी डिटेल्स होती हैं कि आपने किस तारीख को कितने पैसे कहाँ खर्च किये, साथ ही अगर आपके ऊपर कोई पेनल्टी लगी होती है तो वो पेनल्टी की डिटेल्स भी उसमें होती हैं और उसमें एक Due Date भी होती है कि इस तारीख तक आपको बिल का पेमेंट करना ही करना है।

पेमेंट करने में आपको दो ऑप्शन दिए जाते हैं या तो आप Minimum Amount जो होता है उसे दे सकते हैं या फिर आप Full पेमेंट कर सकते हैं। यहाँ पर मैं आपको यही सलाह दूंगा कि आपको हमेशा फुल पेमेंट करना चाहिए क्योंकि अगर आप Minimum Amount Pay करते हैं तो बाकी का जो Amount रह जाता है उसके ऊपर अच्छी खासी पेनल्टी लगती है। इसीलिए जब भी आप बिल का भुगतान करें तो आपको पूरे बिल का भुगतान करना चाहिए।

बिल का भुगतान कैसे करते हैं?

या तो आप डायरेक्ट इंटरनेट बैंकिंग से इसका पेमेंट कर सकते हैं या फिर आजकल बहुत सारे पेमेंट एप्स हैं जैसे PhonePe, Google Pay इत्यादि। इस तरह के एप्स में आप अपना कार्ड का नंबर डाल कर अपने क्रेडिट कार्ड बिल का पेमेंट कर सकते हैं या अगर आप चाहें तो बैंक में जाकर ऑफलाइन भी बिल का पेमेंट कर सकते हैं।

जहाँ क्रेडिट कार्ड के बहुत सारे नुक्सान हैं वहीं पर इसके बहुत सारे फायदे भी हैं अगर आप इसको Smartly यूज़ करते हैं, आप समय पर इसके बिल का पेमेंट करते हैं तो इसके बहुत सारे फायदे भी हैं। जैसे कि आपको Redeem Points मिलते हैं, साथ ही आप जो ऑनलाइन शॉपिंग वगैरह करते हैं वहाँ पर आपको काफी Discount मिलती है और इमरजेंसी में अगर आपको पैसे की जरूरत पड़ती है तो वहाँ क्रेडिट कार्ड बहुत काम आता है।

इसीलिए अगर आपका एक अच्छा जॉब है या आपका एक अच्छा बिज़नेस चल रहा है तो आपको क्रेडिट कार्ड ले लेना चाहिए।

आज के इस ब्लॉग पोस्ट ***Credit Card Advantages and Disadvantages in Hindi*** में आपने जाना कि क्रेडिट कार्ड क्या होता है, क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई कैसे करते हैं और ये किन लोगों को दिया जाता है, क्रेडिट कार्ड का यूज़ कैसे होता है और **क्रेडिट कार्ड के फायदे/नुक्सान क्या हैं**। अगर आपको ये पोस्ट पसंद आये तो इसे Share करना ना भूलें।..

Copyright 2020 | [Continue Gyan](#)